मानव का निकटतम पूर्वज
(THE NEAREST ANCESTOR OF MAN)

मानवशास्त्रियों का मानना है कि वर्तमान मानव का निकटतम पूर्वज जमीन पर चलने वाला कोई बिना पूँछवाला बन्दर सम प्राणी था। मानव का निकटतम पूर्वज आज से 4 करोड़ वर्ष पूर्व अल्पनूतन काल (Oligeocene age) में अस्तित्व में आ चुका था। यह पूर्वज—गिब्बन, गोरिल्ला, चिम्पांजी ओरांगउटान इत्यादि में से कोई था। तत्पश्चात् मानव विकास के क्रम में निम्न प्रमुख थे—

1. रामापिथिकस, 2. ड्रायोपिथिकस, 3. आस्ट्रेलोपिथिकस, 4. जावा एवं पीकिंग मानव, 5. नियंडरथल 6. क्रोमेग्नन, 7. आधुनिक मानव।

इनमें से पुरापाषाण काल का प्रथम सांस्कृतिक मानव नियंडरथल था।

नियंडरथल मानव
(NEANDERTHAL MAN)

1856 ई. में जर्मन वैज्ञानिक काल फुलराट ने जर्मनी की नियण्डरथल घाटी से नियण्डरथल मानव का जीवाश्म प्राप्त किया। इसका काल 1 लाख वर्ष पूर्व से 35,000 ई. पू. तक माना जाता है। यह मध्य पुरापाषाण कालीन संस्कृति का वाहक था। इसकी संस्कृति मैस्ट्रीयन संस्कृति कहलाती है। ये समूह में निवास करते थे व आखेट एवं खाद्य संग्रह इनकी आजीविका का मुख्य साधन था। मानव-शास्त्रियों के अनुसार नियण्डरथल मानव ने ही सर्वप्रथम आग जलाने का ज्ञान प्राप्त किया। स्टीन एवं रो के अनुसार इन्होंने मृतकों को दफनाना आरम्भ कर दिया था। कब्रों के पास फूल की पंखुड़िया, मिट्टी के बर्तन आदि मिले हैं। **इसे ही प्रथम दार्शनिक मानव भी कहा जाता है।**

आरम्भिक समाज
(EARLY SOCIETY)

मानव की उत्पत्ति एवं आरम्भिक समाज का अध्ययन हम प्रागैतिहास के अन्तर्गत करते हैं। प्रागैतिहास का शाब्दिक अर्थ (प्राक् + इतिहास) इतिहास के पूर्व से पूर्व के युग से है। वस्तुतः इतिहास का विभाजन तीन भागों में किया गया है—

(i) **प्रागैतिहास** (Pre-History)—वह इतिहास जिसका कि कोई लिखित साक्ष्य उपलब्ध नहीं है, प्रागैतिहास के तहत आता है।

(ii) **आद्य इतिहास** (Proto History)—वह इतिहास जिसमें लिपि के साक्ष्य तो प्राप्त होते हैं, किन्तु उनके अपठ्य होने के कारण कोई निष्कर्ष नहीं निकलता, आद्य इतिहास के तहत आता है।

(iii) **इतिहास** (History)—वह इतिहास जहाँ से हमें लिखित साक्ष्य मिलने लगते हैं, इतिहास के तहत आता है।